यथोचितं योजयत

हरिद्रा	त्वग्रोगनाशकम्
तुलसी	जठराग्निवर्धकम्
आर्द्रकम्	तेजोवीर्यवर्धकम्
निम्बः	वातपित्तज्वरादिहरः
आमलकम्	विषनाशकम्
मरीचम्	केशविवर्धकम्
जपा	रक्तशुद्धिकरम्
उदुम्बरः	कृमिनाशकम्
द्रोणपुष्पी	कण्ठशुद्धिकरम्
आरग्वधः	प्रमेह-चर्मरोगादिहरः